(1) एकल क्रिया डाई ।- ये डाईयाँ बहुत ही सरल आकार की होती है। तथा इनका अभिकल्पन भी बहुत आसान होता है। ये रैम के एक चक्र मे अपना सम्पूर्ण कार्य कर लेती है।
ये दो प्रकार की होती है।
(1) कर्तन डाई (cutting dies)
(2) कर्षण डाई (forming dies)
(1) कर्तन डाई ! ⇒ ये डाईयाँ कार्यखण्ड पर कर्तन क्रिया करने के लिए होती है। जैसे - (1) ब्लैंकिंग (2) भेदन (3) पंचिंग (4) कर्तन डाई आदि।
(2) कर्षण डाई :⇒ जब प्रेस द्वारा किया गया कार्य इस प्रकार का है जिसमे कि कार्यखण्ड की आकृति मे केवल परिवर्तन होता है। तब इसमे प्रयुक्त डाई को कर्षण डाई कहा जाता है।
जैसे - बंकन डाई, प्रक्षण डाई आदि।
(2) बहु-क्रिया वाली डाई (multi-operation Die) - बहु क्रियाकारी डाई वहाँ प्रयोग की जाती है, जहाँ कि एक कर्तन या एक कर्षण क्रिया के अतिरिक्त भी अन्य कोई क्रिया भी रैम के एक स्ट्रोक मे की जाती है।
इन डाईयो को मुख्यत तीन भागो मे बाँटा गया है
(a) यौगिक डाई ! ⇒ इन डाईयो का प्रयोग वहाँ होता है जहाँ एक से अधिक क्रियाएँ रैम के एक स्ट्रोक मे ही पूर्ण करनी है।
(b) प्रगतिशील डाई :⇒ कभी-2 कार्यखण्ड को प्रेस कार्य के लिए एक मशीन से दूसरे मशीन पर हस्तान्तरण करना पड़ता है
(c) संयुक्त डाई :⇒ संयुक्त डाईयाँ भी प्रगतिशील डाईयो के तरह की होती है जिनके द्वारा कर्तन या कर्षण के एक से अधिक क्रियाएँ इन डाईयो द्वारा की जाती है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner